मोसेक : अंतर्राष्ट्रीय आर्कटिक प्रवाह अभियान

मोसेक: अंतर्राष्ट्रीय आर्कटिक प्रवाह अभियान

अभियान के विषय में

'मोसेक' आर्कटिक जलवायु के अध्ययन के लिये बहुविषयक प्रवाह अभियान (Multidisciplinary Drifting Observatory for the Study of Arctic Climate) का संक्षिप्त रूप है। वर्ष 2019 में शुरू होने वाले इस अभियान के तहत मध्य आर्कटिक क्षेत्र में 'आर्कटिक जलवायु प्रणाली' का अध्ययन किया जाएगा। इस अभियान को 'अंतर्राष्ट्रीय आर्कटिक साइंस कमेटी', 'अल्फ्रेड वेगनर इंस्टीट्यूट', 'आर्कटिक एंड अंटार्कटिका इंस्टीट्यूट' मिलकर संचालित करेंगे।

आइस ब्रेकर जलयान 'पोलरस्टर्न'

अभियान के केन्द्र में अल्फ्रेड वेगनर संस्थान, जर्मनी का 'पोलरस्टर्न' नामक ' आइस ब्रेकर' शोध जलयान है। यह जलयान बर्फ से ढकी हुई अवस्था में' आर्कटिक प्रवाह (Arctic Drift) की सहायता से अपनी यात्रा पूरी करेगा। इस दौरान जलयान के 50 किलोमीटर के दायरे में वैज्ञानिक छोटी–छोटी टुकड़ियों में मौसम व आर्कटिक जलवायु प्रणाली संबंधी विभिन्न प्रयोगों को अंजाम देंगे। इस अभियान की अनोखी बात यह है कि जलयान और उसके 50 किलोमीटर की परिधि में स्थित क्षेत्रीय शोध अवलोकन केन्द्र आर्कटिक प्रवाह की सहायता से ही अपनी यात्रा पूरी करेंगे।

उद्देश्य

- आर्कटिक जलवायु प्रणाली में परिवर्तन और समुद्री बर्फ के नुकसान के क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभावों को समझा जा सकेगा।
- अभियान से मिले आकड़ों की सहायता से मौसम व जलवायु संबंधी पूर्वानुमान अधिक सटीकता के साथ व्यक्त किये जा सकेंगे।
- इस क्षेत्र में समुद्री यातायात और मत्स्यन उद्योग के लिये वैज्ञानिक आँकड़े प्राप्त होगें।
- अभियान से मिले आँकड़े इस क्षेत्र में रहने वाले तटीय समुदायों का जलवायु परिवर्तनों के प्रति लचीलापन बढ़ाने में सहयोग करेंगें।
- सबसे बढ़कर अभियान से प्राप्त आँकड़े वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से संबंधित विभिन्न हित धारकों को नीतिगत निर्णय लेने और इस संदर्भ में नीतियाँ बनाने में सक्षम बनाएंगे।

अध्ययन महत्त्वपूर्ण क्यों?

आर्कटिक जलवायु प्रणाली में नाटकीय परिवर्तन और आर्कटिक समुद्री बर्फ के तेज़ी से पीछे हटने से वैश्विक जलवायु प्रभावित होती है। आर्कटिक जलवायु में हो रहे परिवर्तनों की पुनः रचना करने में आधुनिक जलवायु माडलों की अक्षमता वैश्विक जलवायु परिवर्तनों को समझने और उनका अनुमान लगाने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। नतीजतन, मध्य आर्कटिक में प्रमुख जलवायु प्रक्रियाओं के वार्षिक अवलोकन की तत्काल आवश्यकता को आईपीसीसी सहित सभी प्रमुख अनुसंधान पहलों द्वारा प्रमुखता से उठाया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mosac-international-arctic-campaign